>

Title: Need to revive the Rajendra Kushth Sewa Ashram, Siwan in Bihar-laid.

श्रीमती कविता सिंह (सिवान): महोदय, आपने मुझे नियम 377 के अधीन अपने संसदीय क्षेत्र सिवान का मामला सदन में उठाने के लिए दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं।

महोदय, मैं सदन के माध्यम से सादर आग्रह करती हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र सिवान में राजेन्द्र कुष्ठ सेवा आश्रम है, जो भारत सरकार की फण्डिंग से चलता था। देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी के द्वारा इस कुष्ठ सेवा आश्रम की स्थापना वर्ष 1954 में की गई थी। सिवान जिले सहित पूरे बिहार एवं उत्तर प्रदेश के सभी कुष्ठ रोग से ग्रसित मरीजों की देख-रेख एवं रखरखाव का काम संस्थान द्वारा किया जाता था। आज यह सेवा आश्रम वीरान पड़ा है।**…** (व्यवधान)

माननीय सभापति: कृपया लिखित पाठ के अतिरिक्त कुछ मत बोलिए।

… (व्यवधान)… *

श्रीमती कविता सिंह : अत: महोदय, मैं सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आग्रह करती हूं कि इस संस्थान के जीर्णोद्धार हेतु योजना बनाने की कृपा करें। … (व्यवधान)

माननीय सभापति : बैठ जाइए। कृपया अपने स्थान पर जाइए।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति : कृपया अपने स्थानों पर जाएं। कृपया सहयोग करें।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति : प्लीज अपने स्थानों पर जाइए।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति : सभा की कार्यवाही चार बजकर तीस मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है।

16.03 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes past Sixteen of the Clock.

16.30 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Thirty Minutes past Sixteen of the Clock.

(Shri Rajendra Agrawal *in the Chair*)

… (*Interruptions*)

16.30 ½ hrs

At this stage, Shri Kalyan Banerjee, Shrimati Kanimozhi Karunanidhi, Shri Benny Behanan and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.

… (*Interruptions*)

16.31 hrs

HON. CHAIRPERSON: Shri Jayadev Galla ji.

… (*Interruptions*)